विपश्यना पत्रिका संग्रह

वर्ष १३ से वर्ष १५ (जुलाई १९८३ से जून १९८६ तक)

भाग-५

विपश्यनाचार्य श्री सत्यनारायण गोयन्का

विपश्यना

पत्रिका संग्रह

भाग - ५

वर्ष १३ से वर्ष १५

(जुलाई १९८३ से जून १९८६ तक)

विपश्यनाचार्य श्री सत्यनारायण गोयन्का के लेख
तथा पत्रिका में प्रकाशित अन्य लेखों का संग्रह

विपश्यना विशोधन विन्यास
धम्मगिरि, इगतपुरी

H85 विपश्यना पत्रिका संग्रह भाग - ५
© विपश्यना विशोधन विन्यास
सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करणः सितंबर २०१५

मूल्यः रु. ८०.००

ISBN 978-81-7414-371-6

प्रकाशकः
विपश्यना विशोधन विन्यास
धम्मगिरि, इगतपुरी - ४२२ ४०३
जिला- नाशिक, महाराष्ट्र
फोनः ०२५५३-२४४९९८, २४४०७६,
२४४०८६, २४४१४४, २४४४४०
Email: vri_admin@vridhamma.org
Website: www.vridhamma.org

मुद्रकः
अपोलो प्रिंटिंग प्रेस
जी-२५९, सीकॉफ लिमिटेड, ६९ एम. आय. डी. सी.,
सातपुर, नाशिक-४२२००७, महाराष्ट्र

विषयानुक्रमणिका

विपश्यना पत्रिका संग्रह भाग - ५

(जुलाई १९८३ से जून १९८४ तक)

संवेदना (२) ३
विपश्यना साधना का व्यावहारिक मूल्य ५
संवेदना (३) १०
सफल जीवन १२
संवेदना (४) १६
मैं विपश्यना शिविर में सम्मिलित हुआः १८
१. शिविर में सम्मिलित होने का उद्देश्यः १८
२. यह साधना कैसी थीः १८
४. साधना कक्ष की पवित्रताः २०
५. अन्यः २०
संवेदना (५) २२
संवेदना (६) २७
संवेदना (७) ३१
६० वर्ष पूरे हुए ३६
कथै न होई, कीये होई ४२
कैसे करें ४५
सार्वजनीन प्रवचन ५०
सार्वजनीन प्रवचन ५६
विपश्यनाः जीवन में ६१

(जुलाई १९८४ से जून १९८५ तक)

विपश्यनाः मेरी आन्तरिक अनुभूतियां ६५
मेरे अनुभव ६७
वाचाल जिह्वाएंः ६८
शिविर समापनः ६९

विपश्यना और मार्गदर्शक (१) ७१
मार्गदर्शक गोयन्काजी ७२
विपश्यना और मार्गदर्शक (२) ७५
विपश्यना का अभ्यासः ७५
सार्वजनीन रोगः ७६
शल्य क्रिया ७८
हर्ष-उद्गार ८०
ध्यान साधना या मेडीटेशन क्यों ८२
प्रेरक प्रसंग (१) ८६
ऐसी ही एक और घटनाः ८७
मेरे आध्यात्मिक प्रयोग ८८
प्रेरक प्रसंग (२) ९०
इसी प्रकार की एक और घटनाः ९०
प्रेरक प्रसंग (३) ९३
प्रेरक प्रसंग (४) ९९
प्रेरक प्रसंग (५) १०६
सहायक आचार्य-सम्मेलन का समापन-प्रवचन ११४
सही बुद्ध-वंदना (१) १२०
सही बुद्ध-वंदना (२) १२५
पुष्प-वर्षाः १२५
चैत्य-पूजनः १२६
आनंदबोधिः १२७
गुरुदेव की वंदना-विधिः १२९

(जुलाई १९८५ से जून १९८६ तक

सही दर्शन : वंदना (१) १३३
एक और घटनाः १३५
एक और घटनाः १३७
एक और घटनाः १३८
सही दर्शन : वंदना (२) १४०
एक और घटनाः १४२

और एक महत्वपूर्ण घटनाः *१४४*
उद्‌बोधन **१४६**
विपश्यना प्राचीन साधना *१४७*
आधुनिक संदर्भ **१४७**
नियमबद्ध दिनचर्याः **१४८**
लौकिक अनुभूतियों के पारः **१५०**
प्रेरक प्रंसग (६) **१५३**
इसी संदर्भ में भगवान के जीवनकाल की एक घटनाः *१५८*
उद्‌बोधन **१६१**
भगवती विद्या विपश्यना **१६२**
दुनिया मन का खेल हैः **१६३**
बुद्ध व महावीर ने अपनायाः *१६३*
प्रेरक-प्रसंग (६-अ) **१६५**
प्रेरक-प्रसंग (७) **१६७**
इस संदर्भ में भगवान के जीवनकाल की एक घटना *१६८*
पंद्रह वर्ष बीते **१७१**
आत्म कथन : बाबा-प्रणाम **१७५**
विपश्यनाः चित्त निर्मल करने की साधना **१८०**
सही दर्शनः सही वंदना (१) **१८२**
इस संदर्भ में एक घटनाः *१८२*
एक और प्रसंगः *१८४*
एक और घटनाः *१८४*
ऐसा ही एक अन्य प्रसंगः *१८५*
सम्यक संबोधि **१८६**
सही दर्शनः सही वंदना (२) **१९२**
विपश्यना साहित्य **१९७**
विपश्यना साधना केंद्र **२००**